मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 222 | मंगलवार, 26 नवंबर 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

/ulhasvikas | संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

विजय देवरकोंडा के साथ लंच डेट पर दिखीं रश्मिका

अंबरनाथ में केमिकल कंपनी जल कर स्वाहा

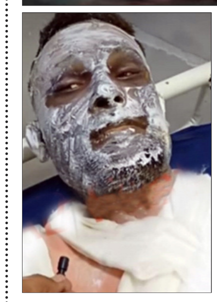

- एक मजदूर गंभीर घायल
- आसपास की 3 कंपनियों का भी नुकसान

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ आनंद नगर एमआईडीसी स्थित रासायनिक कंपनी रसीनो फार्मा में रविवार को लगी भयानक आग ने कंपनी को पूरी तरह जला कर स्वाहा कर दिया है. आग इतनी भयंकर थी कि आसपास की तीन कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा है. अग्निशमक दल की 8 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया है. कंपनी में से जोरदार विस्फोट की आवाजें दूर तक सुनाई दे रही थी. शंका जताई जा रही थी कि कंपनी में कई मजदूर फंसे हो सकते हैं. कंपनी का एक मजदूर प्लांट ऑपरेटर अनिलया गंभीर रूप से जल गया है. उसके पैर, हाथ और बदन पर आग का भपका लगने से जल गया है. उसके पैर, हाथ और बदन पर आग का भपका लगने से वह घायल हो गया है. उसका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है. उसने बताया कि रात 10 बजे के करीब वह प्लांट आपरेट कर रहा था. उस समय कंपनी में 10 से 12 मजदूर काम कर रहे थे. वह प्लांट के थोड़ा दूर थे. आग लगने के बाद सभी मजदूर कंपनी के बाहर भाग गए थे. अग्निशमन दल ने सुबह 5 बजे आग पर काबू पाया. करोड़ों रुपए का नुकसान बताया गया है. घटना स्थल पर शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी पहुंच गए थे. आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

संक्षेप...

मासुंदा तालाब में अज्ञात शव मिला

ठाणे. शहर स्थित बाबा फालूदा के सामने नौका विहार के सामने मासुंदा तालाब में एक 60 वर्षीय मृतक व्यक्ति का शव तालाब में लाश पानी में तैरते हुए दिखाई दी। इसकी जानकारी जवाहर बाग अग्निशमन विभाग को मिलते ही तुरंत अग्निशमन विभाग ने इसकी जानकारी नौपाडा पुलिस व मनपा आपत्ति विभाग दिया।घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल नौपाडा पुलिस व आपत्ति और अग्निशमन विभाग घटना स्थल पर पहुच कर तालाब के भीतर से शव को बाहर निकाल कर पुलिस के हवाले कर दिया।नौपाडा पुलिस ने शव को जिला सिविल अस्पताल में भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन ने बताया कि मृतक शव का शिनाख्त नहीं हुआ है।

करारी हार से उम्मीदवार शॉक में

- हार तो स्वीकारी लेकिन सच्चाई कुछ और...?
- EVM में गड़बड़ी के आरोप शुरु
- सोशल मीडिया पर बहस एकतरफा मैच हुआ कैसे?

उल्हासनगर. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे तो आ गए लेकिन करारी हार का सामना करने वाले उम्मीदवार अभी भी शॉक में है कि उनकी इतनी बड़ी हार हुई कैसे ? इस पर चिंतन-मंथन तो शुरू हो चुका है लेकिन उनके मुताबिक सच्चाई कुछ और है। उल्हासनगर में कालानी समर्थक इतनी बड़ी हार का कारण ईवीएम में गड़बड़ी बता रहे हैं। उल्हासनगर विधानसभा चुनाव में भाजपा के कुमार आयलानी 30750 वोटों से विजयी हुए हैं। इतनी बड़ी लीड आज तक के इतिहास में कभी नहीं मिली. जिस कारण कालानी समर्थक इसे दाल में काला बता रहे हैं। यह दाल केवल उल्हासनगर में काली नहीं बल्कि राज्य के करीब करीब हर क्षेत्र में है। कहीं मनसे उम्मीदवार ने आरोप लगाए हैं कि उन्हें अपने परिवार के वोट भी नहीं मिले तो कहीं ईवीएम में किस तरह गड़बड़ी हो रही यह इसका वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर भी यह बहस शुरू हो गई है कि यह एक तरफा मैच हुआ कैसे? हालांकि यह सच्चाई है कि लाडली बहन योजना ने महायुति के पक्ष में जनाधार दिया है जिस पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इस योजना को गेम चेंजर बनाया है। बावजूद विपक्ष इस हार को स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में 19 उम्मीदवार मैदान में थे जहां कई उम्मीदवारों बिना प्रचार के और बिना किसी नाम के अच्छे खासे वोट बटोर लाए हैं जबकि अच्छा खासा प्रचार और धुआंधार टक्कर देने वाले कुछ उम्मीदवार हजार वोटों पर ही सिमट गए हैं। इन उम्मीदवारों को यह हार हजम नहीं हो रही। महाराष्ट्र राज्य में भी वर्षों पुरानी शिवसेना उद्धव ठाकरे पक्ष को कम सीटें आने पर स्वयं उद्धव ठाकरे व राकांपा सुप्रीमो शरद पवार भी शॉक में है। महाविकास आघाडी को अब विरोधी पक्ष नेता जुटाना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे बड़े बड़े नाम इस चुनाव में हारे हैं जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। महाविकास आघाडी के नेता अब इस हार का ठीकरा ईवीएम में गड़बड़ी पर थोप रहे हैं। फिलहाल इस शॉक से निकल पाना महाविकास आघाडी के नेता और हारे दिग्गज उम्मीदवारों के लिए बहुत ही कठिन है। कई युवाओं ने इस तरह की हार से राजनीति छोड़ने का मन तक बना लिया है। क्या इन नतीजों से लोकतंत्र खतरे में आ चुका है? इस तरह की चर्चा ने जोर पकड़ा है।

ठाणे जिले में 'नोटा' को 47 हजार वोट

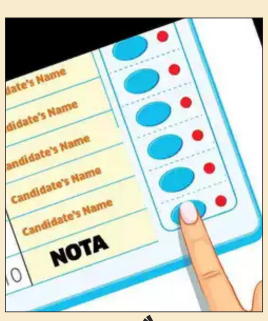

निर्वाचन क्षेत्र	नोटा
ठाणे	2694
कोपरी पाचपाखाड़ी	2676
ओवला - माजीवाड़ा	4193
मुंब्रा-कलवा	2679
भिवंडी पूर्व	738
भिवंडी पश्चिम	1072
भिवंडी ग्रामीण	2571
कल्याण पूर्व	1872
कल्याण पश्चिम	2774
कल्याण ग्रामीण	2734
डोंबिवली	2745
अम्बरनाथ	2316
उल्हासनगर	1759
मुरबाड	3952
शाहपुर	4892
मीरा भयंदर	2279
बेलापुर	2588
ऐरोली	2708
कुल	47242

- शहापुर और ओवला माजीवाड़ा में नोटा को प्राथमिकता

ठाणे. ठाणे जिले के विधानसभा चुनाव में 47 हजार 242 लोगों ने 'नोटा' विकल्प यानी 'उपरोक्त में से कोई उम्मीदवार नहीं' के लिए मतदान किया. सबसे ज्यादा शाहपुर में NOTA को 4 हजार 892 वोट पड़े हैं. दिलचस्प बात यह है कि इस सीट पर एनसीपी अजित पवार गुट के दौलत दरोडा और शरद पवार गुट के पांडुरंग बरोरा के बीच कड़ी टक्कर थी. दरोडा केवल 1 हजार 672 वोटों से निर्वाचित हुए थे. शाहपुर की तरह ठाणे की मिश्रित बस्ती ओवला मजीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में भी नोटा को 4 हजार 193 वोट मिले.

ठाणे जिले की 18 विधानसभा सीटों में से 16 निर्वाचन क्षेत्रों में महायुति के उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं। ठाणे जिले में 56.5 फीसदी वोटिंग हुई और 2019 के मुकाबले वोटिंग प्रतिशत कुछ हद तक बढ़ा है. जिले में 244 प्रत्याशी मैदान में थे. कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में 20 से अधिक उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। इसके बावजूद, यह स्पष्ट है कि नागरिकों ने किसी स्वतंत्र या संगठन के बजाय 'नोटा' विकल्प को वोट दिया है।

इस वर्ष शाहपुर जिले में 68.32 प्रतिशत मतदान हुआ। इस सीट पर नोटा को सबसे ज्यादा वोट पड़े. शाहपुर विधान सभा में नौ प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे. इस क्षेत्र में नोटा को 4 हजार 892 वोट मिले. इसके बाद ओवला मजीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में 4 हजार 193 वोट पड़े. इस सीट पर 14 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे, जबकि इस सीट पर 52.25 फीसदी वोटिंग हुई. मुरबाड निर्वाचन क्षेत्र में 9 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। जबकि नोट को 3 हजार 952 वोट मिले. मुरबाड में कुल 64.92 प्रतिशत मतदान हुआ. नोटा विकल्प के लिए भिवंडी में सबसे कम मतदान हुआ। भिवंडी पूर्व में 738 और भिवंडी पश्चिम में 1 हजार 72 वोट पड़े.

शहर विकास हेतु सेवा यात्रा जारी रहेगी -गंगोत्री

- मतदाताओं का आभार माना

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से अपक्ष उम्मीदवार भारत राजवानी (गंगोत्री) ने कहा कि उल्हासनगर शहर मेरी पहचान है और इसकी सेवा करना मेरा कर्तव्य। हालांकि इस क्षेत्र में यह मेरी सिर्फ एक शुरुआत है न कि अंत। मैं जानता हूं कि शहर में आज भी परिवर्तन की इच्छा है लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इसके लिए मैं शहरवासियों के साथ सभी समाज, व्यापारी संघटना जिन्होंने मेरे साथ खड़े होकर मुझे समर्थन दिया उनका मैं आभार प्रकट करता हूं। उल्हासनगर के लिए जो मैंने मिशन शुरू किया था उसे आगामी मनपा चुनाव में भी जारी रखूंगा। चुनाव में हार जीत एक प्रक्रिया है लेकिन इस क्षेत्र में नए चेहरे पर इतना विश्वास दिखाना और सम्मान देने मेरे लिए वो सर्वोपरि है। शहर विकास हेतु मेरी सेवा यात्रा चालू थी है और रहेगी।

विधायक किणीकर के जीतने का कारण?

- उनकी लगन, मेहनत, कार्यकर्ताओं ने उन्हें चौथी बार जिताया

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ मतदार संघ से विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की शानदार जीत का कारण ये बताया जा रहा है कि उन्होंने रात-दिन परिश्रम किया और उनके आसपास रहनेवाले नेताओं ने अपना कर्तव्य निभाते हुए किणीकर को विजयी बनाने के लिए परिश्रम किया. किणीकर ने ये नहीं सोचा कि उनका साथ कौन नहीं दे रहा है. चाहे वह उनका कोई दबंग नेता ही क्यों ना हो. किणीकर ने मतदाताओं से अपना संपर्क बराबर बनाए रखा. जनता के सुख-दुःख में वह उनके घर तक जाकर उन्हें दिलासा देते रहे. उनकी अपनी लगन, मेहनत और अपने कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बलबूते पर उन्हें अपने जीतने का शुरू से ही यकीन रहा.

सुनिल चौधरी, अब्दुल शेख, सुभाष सालुंखे, प्रमोद कुमार चौबे, उमेश गुंजाल, रवि करंजुले, विकास, राहुल सोमेश्वर, मुक्कू लेनिन ऐसे और कई नाम हैं. इसके अलावा मुस्लिम समाज, उत्तर भारतीय समाज, मराठा समाज व अन्य संगठनों ने उनके लिए तन-मन-धन से कार्य किया. इसमें एक खास नाम का हम यहां जिक्र करेंगे, वह हैं ज्ञानधर मिश्रा. जिन्होंने चुनाव के समय रात देखा, न दिन कार्यकर्ताओं एवं सभी समाज के लोगों को उन्होंने किणीकर से जोड़ने के लिए कई बैठकों का आयोजन किया. लोगों से संपर्क बनाए रखा. यहां तक कि चुनाव के दिन वह हर बूथ पर गए. आखिर में डॉ. बालाजी किणीकर को 1 लाख से ज्यादा वोट पहली बार मिले और वह 51 हजार वोटों से विजयी हुए. किणीकर ने आखिरी क्षण तक हिम्मत नहीं हारी. यही उनके विजय का मुख्य कारण है.

अपर कोपर रेलवे स्टेशन पर यात्री अपनी जान से कर रहे खिलवाड़

- रेल पटरी क्रास कर जाते हैं दूसरे प्लेटफार्म पर

कल्याण. डोंबिवली रेलवे स्टेशन के पास दिवा-वसई रेलवे लाइन पर अपर कोपर रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले अधिकांश यात्री सीढ़ियां चढ़ने की परेशानी से बचने के लिए पटरी क्रास कर दूसरे प्लेटफार्म पर जाते हैं और यात्री हर दिन अपनी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं. जानकार यात्रियों द्वारा सवाल उठाया जा रहा है कि इस दौरान ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षाकर्मी क्या कर रहे होते हैं?

बदलापुर, कल्याण, डोंबिवली क्षेत्र से लेकर पश्चिम रेलवे पर वसई, विरार, दहानू, बोईसर तक, इस क्षेत्र के अधिकांश यात्री मध्य रेलवे के कोपर रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं और वहां से वे अपर कोपर रेलवे स्टेशन जाते हैं। वहां से वे रेलवे शटल सेवा द्वारा वसई, दहानू, पनवेल क्षेत्रों की यात्रा करते हैं। इस रेलवे लाइन की वजह से यात्रियों को दादर से वसई, विरार, दहानू इलाकों तक आने-जाने में करीब एक से डेढ़ घंटे का समय बचता है. इसलिए अधिकांश यात्री अपर कोपर रेलवे स्टेशन से यात्रा करना पसंद करते हैं।

अपर कोपर रेलवे स्टेशन पर शटल में चढ़ने और उतरने के लिए प्लेटफॉर्म पर भीड़ होने के कारण यात्री सीढ़ियां चढ़ने की परेशानी से बचने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरने के बजाय रेलवे लाइन के विपरीत दिशा में उतरते हैं। वहां से वे रेलवे लाइन के किनारे चलते हैं और कोपर रेलवे स्टेशन जाते हैं। इस रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर नहीं है. दिवा-वसई, दहानु-पनवेल, डोंबिवली-बोइसर रेलवे लाइनों पर शटल सेवा बहुत छिटपुट है। इस रेलवे लाइन पर हर एक से दो घंटे में शटल चलती हैं। इसलिए, इस शटल सेवा में यात्रियों की भीड़ रहती है। यदि निर्धारित शटल विलंबित या रद्द हो जाती है, तो दो से तीन शटलों के यात्रियों की भारी भीड़ हो जाती है और यात्री उपलब्ध शटल लेकर अपने इच्छित गंतव्य तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

यात्रियों की मांग है कि रेलवे ट्रैक पर यात्रा करने वाले यात्रियों को रोकने के लिए यहां अधिक जवानों को तैनात किया जाए. रेलवे सुरक्षा बल का एक जवान सुबह इस इलाके में मौजूद होता है. लेकिन ऐसा लगता है कि यात्री इनकी सराहना नहीं कर रहे हैं. अधिक जानकारी के लिए जब रेलवे सुरक्षा जवान विभाग से संपर्क किया गया तो बताया गया कि उनके पास पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध नहीं है.

शिवमंदिर के पास 2 कोबरा

- एक को सर्पमित्र ने पकड़ा
- भक्तों में घबराहट

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के प्राचीन शिवमंदिर परिसर में दोपहर 2 बजे के करीब मंदिर में दर्शन के लिए आए हुए भक्तों में खलबली मच गई थी. मंदिर परिसर में 2 जहरीले कोबरा सांप देखे जाने पर तुरंत ही सर्पमित्र को बुलाया गया. उसने एक कोबरा सांप को पकड़ा, दूसरा सांप सर्पमित्र को नहीं मिला. सुरक्षा रक्षकों ने सर्प मित्र प्रकाश गोहिल को कॉल किया था. उसके बाद सर्प मित्र प्रकाश गोहिल और आकाश गोहिल शिवमंदिर पहुंचे. उन्होंने एक कोबरा सांप को पकड़ा, दूसरा कोबरा झाड़ियों में जाकर छुप गया. पकड़ा गया सांप चार फुट लंबा था. इस सांप को जंगल में सुरक्षित स्थल पर छोड़ा गया है. ऐसा आकाश गोहिल ने बताया है. शिवमंदिर के पास कुछ झाड़ियां हैं. ऐसा अंदाजा है कि दूसरा सांप इन झाड़ियों में चला गया है. बरसात का मौसम जाने के बाद दोपहर की धूप में सांप बाहर कीतरफ आते हैं. सांप को पकड़ने का दृश्य भक्तों ने भी देखा.

ठाणे जिले में मनसे की खिसकती जा रही जमीन

ठाणे. ठाणे जिले में विधानसभा की कुल 18 सीटों में से 12 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना एक भी सीट नहीं जीत सकी। कल्याण ग्रामीण के पूर्व विधायक प्रमोद पाटिल और ठाणे शहर के उम्मीदवार अविनाश जाधव जीतेंगे ऐसा दावा मनसे नेताओं का था, जो फेल हो गया और इन दोनों जगहों पर मनसे की हार हुई है. 12 में से 5 उम्मीदवारों को 10 हजार के अंदर और 4 उम्मीदवारों को 20 हजार के अंदर वोट मिलने के कारण कई उम्मीदवारों की जमानत राशि भी जब्त हो गयी है. इस चुनाव परिणाम के बाद चर्चा है कि ठाणे जिले में मनसे की जमीन खिसकती जा रही है.

ठाणे जिले में कुल 18 विधानसभा क्षेत्र हैं। मनसे ने 12 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे थे। ठाणे जिले की ठाणे और

भिवंडी महानगर पालिकाओं में मनसे के नगरसेवक हुआ करते थे, लेकिन पिछले कुछ मनपा चुनावों में मनसे को हार का सामना करना पड़ा। हालाँकि, पूर्व मनसे विधायक प्रमोद पाटिल पांच साल पहले हुए 2019 विधानसभा चुनाव में कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। वहीं, ठाणे शहर के उम्मीदवार अविनाश जाधव 19 हजार वोटों से हार गए। उन्हें दूसरे नंबर पर वोट मिले. इसके चलते मनसे नेताओं की ओर से दावा किया गया कि इस बार के चुनाव में कल्याण ग्रामीण से प्रमोद पाटिल जीतेंगे और अविनाश जाधव भी जीतेंगे.

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कल्याण ग्रामीण और ठाणे शहर निर्वाचन क्षेत्रों में दो-दो सार्वजनिक बैठकें की थीं, जिसमें कहा गया था कि वह उन सीटों पर बैठकें करेंगे, जहां राज्य में उम्मीदवार जीत सकते हैं। शर्मिला ठाकरे ने ठाणे में एक चौक सभा की. कुल मिलाकर प्रचार का माहौल बनने से मनसे की हवा प्रचार में साफ दिखी. असल नतीजों में दोनों सीटों पर मनसे की हार हुई है. बाकी 10 सीटों पर एमएनएस की करारी हार हुई है और कई उम्मीदवारों की जमानत राशि जब्त हो गई है. मनसे को जिले में एक भी सीट नहीं मिल पाई है, लेकिन इस चुनाव परिणाम के बाद चर्चा है कि जिले में मनसे का सूपड़ा साफ हो रहा है.

कितने वोट मिले?

कल्याण ग्रामीण से मनसे उम्मीदवार प्रमोद (राजू) पाटिल को 74 हजार 768 वोट मिले, जबकि ठाणे शहर के उम्मीदवार अविनाश जाधव को 42 हजार 592 वोट मिले। कल्याण पश्चिम से उम्मीदवार उल्हास भोईर को 22 हजार 114 वोट मिले. भिवंडी ग्रामीण से उम्मीदवार वनिता कथोरे को 13 हजार 816 वोट, ओवला मजीवाड़ा से उम्मीदवार संदीप पाचांगे को 13 हजार 552 वोट, कलवा मुंब्रा से उम्मीदवार सुशांत सूर्या राव को 13 हजार 914 वोट, बेलापुर से उम्मीदवार गजानन काले को 17 हजार 704 वोट मिले। ये चारों प्रत्याशी 20 हजार तक भी नहीं पहुंच सके. शाहपुर से उम्मीदवार हरिश्चंद्र खांडवी को 5 हजार 648 वोट, भिवंडी पूर्व से उम्मीदवार मनोज गुलवी को 1 हजार 3 वोट, मुरबाड से उम्मीदवार संगीता चेंदवंकर को 7 हजार 894 वोट, मीरा-भाइंदर से उम्मीदवार संदीप राणे को 5 हजार 243 वोट, ऐरोली से उम्मीदवार निलेश बनखेले को 6 हजार 908 वोट मिले प्राप्त हुआ। ये पांचों उम्मीदवार 10 हजार तक भी नहीं पहुंच सके.

अंबरनाथ में पेश किया स्वच्छता का उदाहरण

- अस्पताल के सामने निवासियों द्वारा कचरा डालना बंद
- कार्य की चारों तरफ से सराहना

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के उलन चाल परिसर में एक व्यक्ति ने स्वच्छता अभियान का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया है. यहां पर एक अस्पताल के सामने ही आसपास के निवासी रोजाना कचरा फेंक कर गंदगी करके चले जाते थे. ये कचरा रोड तक आ जाता था. इसकी बदबू से राहगीर एवं आसपास के निवासी दुकानदार भी परेशान रहते थे. पास के अस्पताल में भी जाने के लिए मरीजों, उनके परिवार जनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था. यहीं के निवासी एवं सभागृह के मालिक जफरखान लाला से ये सब देखा नहीं गया. उन्होंने नपा से इसकी शिकायत की. कभी-कभी तो दो से तीन दिनों तक यहां कचरा नहीं उठाया जाता था. इन सब बातों को देखते हुए जफर लाला ने कचरे की साफ सफाई होने के बाद जहां कचरा डाला जाता था, वहां पर सीमेंटीकरण करके पायवट बनाया और आसपास छोटे पौधों के गमले रख दिए और बोर्ड लगा दिया कि यहां पर कचरा फेंकना मना है. और एक कदम स्वच्छता का स्लोगन भी उसमें दर्ज करा दिया. आज एक हफ्ता बीतने के बाद भी यहां पर लोगों ने कचरा डालना बंद कर दिया है. परिसर में अब स्वच्छता देखी जा रही है. रहिवासियों एवं दुकानदारों ने अब घंटागाड़ी में कचरा डालना शुरू कर दिया है. जफर लाला के इस स्वच्छता अभियान की लोग सराहना करते हुए प्रशंसा कर रहे हैं.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — संपादकीय

हम कब होंगे शर्मिंदा?

विद्यालयों को शिक्षा का मंदिर माना जाता है। वहां शिक्षकों पर विद्यार्थियों का भविष्य संवारने का दायित्व है। दुखद है कि अभिभावक जिन विद्यालयों में बच्चों को पढ़ने और भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए भेजते हैं, वहां कई बार खुद शिक्षक ही उन्हें अनुचित तरीके से काम कराते हैं। ऐसी हरकतों से शिक्षा व्यवस्था पर तो सवालिया निशान लगता ही है, साथ ही विद्यालयों में छोटे बच्चों के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठते हैं। सहारनपुर में एक प्राथमिक विद्यालय का वीडियो सुर्खियों में आया, जिसमें कुछ बच्चे स्कूल परिसर में और शिक्षकों की मौजूदगी में खड़ी कार धोते दिखाई दे रहे थे।

इस घटना पर कोई कैसी भी सफाई दे, लेकिन इससे स्पष्ट है कि कई विद्यालयों में जमीनी स्थिति क्या है। हालांकि इस मामले में खंड शिक्षा अधिकारी को जांच सौंपी गई है, लेकिन सवाल है कि स्कूलों में बच्चों का इस तरह शोषण करने की बात किसी शिक्षक के दिमाग में आई भी कैसे! विद्यालयों में शिक्षा और खेल गतिविधियों को छोड़ कर बच्चों से कोई भी अन्य कार्य न कराने के स्पष्ट निर्देश हैं, लेकिन कुछ शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर बाल श्रम कानून का तो उल्लंघन करते ही हैं, शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देश की भी धज्जियां उड़ाते हैं।

यह इस तरह की कोई अकेली घटना नहीं है। आए दिन किसी स्कूल के छोटे बच्चों से अनुचित तरीके से साफ-सफाई या अन्य काम कराने की खबरें आती रहती हैं। क्या यह समूचे शिक्षा तंत्र के लिए शर्मिंदगी की बात नहीं कि किसी बच्चे को कक्षा की साफ-सफाई के लिए झाड़ू थमा दिया जाता है या फिर परिसर में किसी निर्माण कार्य के लिए मिट्टी ढोने या ईंटे उठाने में लगा दिया जाता है? सहारनपुर की घटना इसलिए सामने आई, क्योंकि किसी ने उसका वीडियो बना लिया।

कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश के ही बांदा जिले में एक निजी विद्यालय के शिक्षक पर आरोप लगा कि वे घर के निर्माण कार्य में स्कूल के बच्चों की मदद ले रहे थे। ऐसे तमाम मामलों की जांच होती है, उसकी रपट भी आती है। मगर क्या कार्रवाई होती है, किसी को पता नहीं चलता। विद्यालयों से आने वाली ऐसी बदरंग तस्वीरें समाज को व्यथित करती हैं। ऐसी घटनाओं से शिक्षा व्यवस्था पर भी अंगुली उठना स्वाभाविक है।

भारत-चीन के बीच भरोसे की कूटनीति, रूस ने दोनों देशों में कराई मध्यस्थता

सीमा विवाद को सुलझाने के लिए चल रही कवायद के जरिए भारत-चीन संबंधों ने नया आयाम हासिल किया है। दोनों देश लगभग पांच साल के अंतराल के बाद सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक जल्द बुलाने वाले हैं। साथ ही, दोनों देशों में सीधी उड़ान बहाल करने और मानसरोवर तीर्थयात्रा दोबारा शुरू करने को लेकर सहमति बन रही है।

सीमावर्ती क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी से शांति और सौहार्द बनाए रखने में मदद मिली है और अब भरोसा बहाल करने के आगे के कदम उठाए जा रहे हैं। सीमा विवाद के अलावा दोनों देशों के बीच जो मुद्दे अरसे से लंबित रहे हैं- मसलन, सीमावर्ती नदियों के आंकड़े साझा करने समेत आपसी सहयोग बढ़ाने के तमाम विषयों पर बातचीत शुरू की गई है और प्रगति संतोषजनक है। असल में चीन और भारत के बीच तनावपूर्ण रिश्तों का असर रूस और दक्षिण एशिया के अन्य देशों पर भी पड़ रहा था। रूस-यूक्रेन संघर्ष लगातार बना हुआ है, उसमें रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए भारत से उसके मजबूत रिश्ते अहमियत रखते हैं। चीन से भारत की तनातनी के कारण यह समीकरण कारगर नहीं हो पा रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से रूस ने पहल की और भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास दूर होनी शुरू हुई। अमेरिका इस तनाव का लाभ उठाने का प्रयास कर रहा था। जबसे चीन के साथ भारत के संबंध कुछ मधुर होने शुरू हुए हैं, अमेरिका की प्रतिक्रिया का भारत के कूटनीतिज्ञ विश्लेषण कर रहे हैं। रूस के साथ भारत की नजदीकी से वह खफा है। अभी अमेरिका ने 19 भारतीय कंपनियों पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगाए हैं कि वे रूस को मदद पहुंचा रही थीं। हालांकि, भारत ने अपने रिश्तों में संतुलन बनाए रखा है। रूस के साथ अपने रिश्तों में किसी तरह की खटास नहीं आने दी है और अमेरिका से भी नजदीकी बनाए रखी है। भारत की आर्थिक हैसियत लगातार बढ़ रही है और वह वैश्विक दक्षिण देशों के लिए भी भरोसेमंद साझीदार बन रहा है। इस कारण कोई भी ताकत भारत को नजरअंदाज नहीं कर पा रही। चीन का बड़ा व्यापार भारत के साथ है, वह उसे किसी भी रूप में गंवाना पसंद नहीं करेगा। भारत और चीन के बीच चल रही मौजूदा कवायद से तमाम समस्याओं पर स्थायी समाधान की उम्मीद की जा सकती है। मानसरोवर तीर्थयात्रा शुरू होने का भारतीय श्रद्धालु अरसे से इंतजार कर रहे हैं। सीधी उड़ान सेवाओं से विद्यार्थियों और पेशेवरों को राहत मिलेगी। हालांकि, सवाल अभी भी है कि चीन अपने ताजा रुख पर कब तक कायम रह पाता है। जब तक वह अपनी विस्तारवादी नीतियों से तौबा नहीं करता, उसके किसी भी कदम पर बहुत भरोसा करना ठीक नहीं।

भारत-चीन सिर्फ पड़ोसी ही नहीं, अपितु सबसे बड़े आबादी वाले देश भी हैं

यह समझना होगा कि भारत और चीन सिर्फ पड़ोसी ही नहीं हैं, वे दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भी हैं। वे एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं। दोनों पक्षों ने अतीत में दिखाया है कि मजबूत आर्थिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क में सीमा विवाद बाधा नहीं बनते। अतीत में व्यापार संबंध जबदस्त ऊंचाई पर रहे, लेकिन निवेश, यात्रा और वीजा सहित कई क्षेत्रों में संबंध टूट गए। उनकी बहाली की कवायद स्वागतयोग्य है। संबंधों में भरोसा बहाल हो और यह स्थायी हो, तभी बात बनेगी।

आनंद, असीम ज्ञान, शक्ति, निडरता, खुशी, और शांति हमारी आत्मा के ख़ज़ाने हैं।
यदि हम सही स्थान पर खोज पायें, तो ये सभी हमें मिल जायेंगे।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

महाराष्ट्र-झारखंड के चुनावी नतीजों का संदेश

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए हुए चुनावों के साथ तेरह राज्यों की छियालीस सीटों पर उपचुनावों के नतीजे यही बताते हैं कि सभी जगहों पर कोई एक ही हवा नहीं बह रही थी और अलग-अलग राजनीतिक दलों को कामयाबी मिली है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों पर सबकी नजर थी, जहां के नतीजों को राष्ट्रीय राजनीति पर असर डालने वाले एक प्रमुख कारक के तौर पर देखा जा रहा है। एक ओर, महाराष्ट्र में जहां सत्ता में रही महायुति गठबंधन को अप्रत्याशित कामयाबी मिली, वहीं झारखंड में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले सत्ताधारी इंडिया गठबंधन को अच्छी जीत मिली। इससे यही साफ होता है कि दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान कई जगहों पर मतदान पर सत्ता-विरोधी लहर का असर पड़ने की जो आशंका जाहिर की जा रही थी, वह निराधार निकली। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन और खासतौर पर भाजपा को जैसी सफलता मिली है, उसकी उम्मीद शायद राजग के नेताओं को भी नहीं रही होगी।

दरअसल, महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी गठबंधन इस बात को लेकर आश्वस्त था कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने जिस तरह मूल पार्टी को तोड़ कर भाजपा के साथ सरकार बनाई थी और उसके बाद राज्य में उसका जो प्रदर्शन रहा, उसके मद्देनजर मतदाता अलग विकल्प चुनेंगे। मगर चुनाव के दौरान महायुति गठबंधन से जुड़े दल और खासतौर पर भाजपा की ओर से जिस तरह का आक्रामक प्रचार अभियान चलाया गया, उसने आम जनता को शायद ज्यादा प्रभावित किया।

हालांकि 'इंडिया' के कुछ नेताओं की ओर से मतदान और गिनती से संबंधित सवाल उठाए गए, लेकिन इस पर स्पष्टता कायम करना चुनाव आयोग का काम है। अब चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र में जैसे समीकरण बनते दिख रहे हैं, उसमें महायुति के सामने एक बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव की होगी। वहीं आने वाले दिनों में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने अपनी प्रासंगिकता को फिर से कायम करने की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से पूरा प्रयास किया गया कि चुनाव में झामुमो सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर बनाई जा सके, लेकिन उसमें उसे नाकामी ही मिली। झामुमो और सहयोगी दलों ने पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत जीत दर्ज की है। ऐसा लगता है कि झारखंड में हेमंत सोरेन को एक मामले में जेल जाने के बावजूद अपने कार्यकाल में शुरू कुछ योजनाओं और अन्य मुद्दों पर वहां के मतदाताओं ने अपना स्पष्ट समर्थन दिया। जाहिर है, हेमंत सोरेन अब ज्यादा सशक्त होकर अपनी अगली सरकार चलाने में खुद को शायद अधिक सहज महसूस करें। जहां तक उपचुनावों का सवाल है तो तेरह अन्य राज्यों में छियालीस सीटों पर मतदान के नतीजे मिले-जुले आए हैं।

मसलन, बिहार में चारों सीटों पर राजग के उम्मीदवार जीते, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का स्पष्ट दबदबा रहा। उत्तर प्रदेश में नौ सीटों के नतीजे मिले-जुले होने के बावजूद वहां के कुंदरकी सीट के परिणाम ने सबको चौंकाया, जहां मुसलिम बहुल क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी को बड़ी जीत मिली। एक अहम नतीजा केरल के वायनाड लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव का रहा, जहां कांग्रेस से प्रियंका गांधी ने चार लाख से ज्यादा मतों से जीत दर्ज की। ताजा नतीजे यह संकेत देते हैं कि आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति पर इसका खासा असर पड़ेगा और अन्य दलों से सहयोग के सवाल पर भाजपा अपनी दावेदारी मजबूत बता सकती है।

इस देश में जेल प्रहरियों-शिक्षकों से भी ज्यादा है कैदियों का वेतन

जरा हट के

यह कदम कैदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज में जीवन वापस लाने के लिए तैयार करने के प्रयास का हिस्सा है। हालांकि, कैदियों और नागरिक समाज से संबंधित लोगों के बीच वेतन अंतर ने ब्रिटेन में आय असमानता के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। यहां के जेलों में बंद कैदियों को उनकी सुरक्षा करने वाले अधिकारियों के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षकों, जैव रसायनज्ञों, मनोचिकित्सकों और दाइयों से अधिक वेतन मिल रहा है। यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है।

बता दें, कुछ कम सुरक्षा वाली खुली जेलों में कैदियों को काम के लिए बाहर निकलने की अनुमति है। मगर, दिन के अंत तक ये जेल में वापस आ जाते हैं। यह कदम कैदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज में जीवन वापस लाने के लिए तैयार करने के ठोस प्रयास का हिस्सा है।

हालांकि, कैदियों और नागरिक समाज से संबंधित लोगों के बीच वेतन अंतर ने ब्रिटेन में आय असमानता के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं।

ब्रिटेन में सबसे अधिक वेतन पाने वाले कैदी को पिछले साल 46,005 डॉलर यानी 38,84,491 रुपये मिले। इसका मतलब है कि उनका सकल वेतन लगभग 57,640 डॉलर (48,66,907 रुपये) था। गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि नौ अन्य कैदियों की कमाई 28,694 डॉलर (24,22,814 रुपये) से ज्यादा थी, जिसका मतलब है कि औसत कामकाजी कैदी को प्रति वर्ष लगभग 25,061 डॉलर (21,16,057 रुपये) का भुगतान किया जा रहा था। इस बीच, एक जेल गार्ड का औसत वेतन 35,085 डॉलर (29,62,446 रुपये) है, जबकि नए भर्ती किए गए लोगों को प्रति वर्ष लगभग 30,073 डॉलर (25,39,252 रुपये) का भुगतान किया जाता है। न्याय मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल कटौती के बाद दो अन्य कैदी थे, जिन्होंने सबसे ज्यादा 37,591 डॉलर (31,74,044 रुपये) की कमाई की और अन्य सात ने निजी बैंक खातों में 28,694 डॉलर (24,22,814 रुपये) और 37,591 डॉलर (31,74,044 रुपये) के बीच रखा। हालांकि कैदी कई तरह के काम करते हैं, लेकिन ज्यादा कमाई वाले व्यक्ति ट्रक चलाने का काम करते हैं।

खाना-खजाना

टेस्टी टमाटर पुलाव

लंच के लिए अगर कुछ लाइट और टेस्टी बनाना चाहती हैं, तो आपको टमाटर के चावल खाने ट्राई करने चाहिए। इन्हें बनाने में समय नहीं लगता। इसलिए बिजी दिनों के लिए यह एक अच्छा विकल्प है। यह खाने में काफी टेस्टी भी होता है, इसलिए इसे बच्चे और घर के सभी लोग खाना पसंद करेंगे। आइए जानें टमाटर पुलाव बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री :

- 4 कप बासमती चावल
- 4 बड़े चम्मच तेल
- 3 डंठल करी पत्ता
- 1 बड़ा चम्मच सरसों के बीज
- 3 टमाटर
- 1 चम्मच चना दाल
- 1/4 कप कच्ची मूंगफली
- 1/2 चम्मच हींग
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 2 बड़े चम्मच घी
- 3 प्याज
- 2 बड़े चम्मच कटा हुआ अदरक
- 14 कप काजू
- 1/3 चम्मच हल्दी
- नमक स्वादानुसार
- 4 बड़े चम्मच कटी हुई धनिया पत्ती

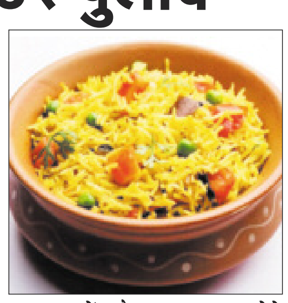

विधि :

एक बड़े कटोरे में चावल लें। इसे 3-4 बार अच्छे से धोएं और फिर एक बार बहते पानी के नीचे धोएं। अब एक बरतन में 8 कप पानी डालकर उबाल लें। बरतन में चावल पकाएं। एक पैन में रिफाइंड तेल गरम करें। राई, चना दाल और कटी हुई अदरक डालें। इन्हें एक मिनट तक भूनें। अब इसमें मूंगफली डालें और पकने तक चलाते रहें। अब इसमें काजू, करी पत्ता और सबकुछ हींग डालें और अच्छे से मिला लें। अब इसमें कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा भूरा होने तक भूनें। अब इसमें स्वादानुसार नमक के साथ कटे हुए टमाटर डालें। टमाटरों को 6-8 मिनट तक या नरम होने तक पकाएं। अब इसमें कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर डालें और एक मिनट तक पकाएं। अंत में, मसाले को अच्छी खुशबू और स्वाद देने के लिए देसी घी डालें। अब टमाटर मसाले में उबले हुए चावल और बारीक कटी हरी धनिया डाल दीजिए। अच्छी तरह मिलाएं, आखिरी एक मिनट तक पकाएं और आंच बंद कर दें। टमाटर पुलाव तैयार हैं।

आज का राशिफल

मेषः किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभः आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी।

मिथुनः आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपके प्रिय का डांवाडोल मिज़ाज आपको परेशान कर सकता है। अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें और सफलता मिलने से पहले अपने पत्ते न खोलें।

कर्कः व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफ़ी समय मिलेगा।

सिंहः दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा।

कन्याः अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वो आपके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे।

तुलाः आपकी मनोकामनाएं दुआओं के ज़रिए पूरी होंगी और सौभाग्य आपकी तरफ़ आएगा- और साथ ही पिछले दिन की मेहनत भी रंग लाएगी। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपके प्रिय का फ़ोन आएगा।

वृश्चिकः सकारात्मक रवैये के माध्यम से आप आसानी से इन बाधाओं को पार कर सकते हैं। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है।

धनुः अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है.

मकरः किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअन्दाज़ करें।

कुंभः पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के ग़ुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना-कूदना।

मीनः व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सेलेनियम की कमी मेंटल हेल्थ से लेकर थायराइड पर डालती है असर

सेलेनियम मिनरल्स के बारे में काफी सारे लोगों को जानकारी नहीं होती। वहीं कुछ लोग थायराइड फंक्शन के लिए इसे जरूरी जानते हैं। लेकिन सेलेनियम ऐसा मिनरल है जिसकी बहुत थोड़ी सी मात्रा शरीर के लिए जरूरी होती है। और हेल्थ में खास रोल निभाता है। जिसमे थायराइड के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी शामिल है। रोजाना की डाइट में सेलेनियम रिच फू* को खाने से शरीर को ये 5 हेल्थ बेनिफिट्स होते हैं।

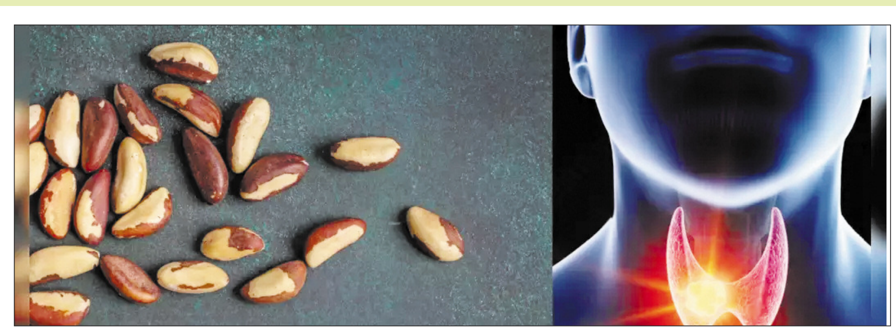

सेलेनियम पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होता है

शरीर के लिए एंटीऑक्सीडेंट्स बहुत जरूरी होता है। ये फ्री रेडिकल्स की वजह से कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाता है। बता दें कि फ्री रेडिकल्स बाई प्रोडक्ट होता है जो मेटाबॉलिज्म के प्रोसेस से निकलता है। हालांकि फ्री रेडिकल्स शरीर को कई सारी बीमारियों से बचाता है। लेकिन जब शरीर में ज्यादा मात्रा में फ्री रेडिकल्स होने लगते हैं तो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस होता है, जो हेल्दी कोशिकाओं को डैमेज करते हैं। इस ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने के लिए सेलेनियम जरूरी होता है। इसके साथ ही सेलेनियम क्रॉनिक डिसीज से बचाने में मदद करता है।

कैंसर का रिस्क कम करता है

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से क्रॉनिक कंडीशन होती है और हार्ट डिसीज, अल्जाइमर जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है। सेलेनियम ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है जिससे कुछ खास तरह के कैंसर से बचाने में मदद करता है। सेलेनियम मिनरल्स डीएनए को डैमेज होने से बचाने में भी मदद करता है। और कैंसर सेल्स को खत्म करता है। स्टडी के मुताबिक में जिनके ब्लड में सेलेनिमय का लेवल हाई था उन्हें कुछ खास तरह के कैंसर जैसे ब्रेस्ट, लंग, कोलन और प्रोस्टेट कैंसर का खतरा कम था।

हार्ट डिसीज से भी करता है बचाव

सेलेनियम रिच डाइट लेने से हार्ट को हेल्दी रहने में मदद मिलती है। लो सेलेनियम लेवल हार्ट डिसीज के रिस्क को बढ़ा देता है। ब्लड में 50 प्रतिशत सेलेनियम का लेवल बढ़ाने से 24 प्रतिशत हार्ट डिसीज का रिस्क कम होता है।

मेंटल हेल्थ के लिए भी जरूरी होता है सेलेनियम

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस न्यूरोलॉजिकल डिसीज जैसे पार्किंसन और अल्जाइमर को बढ़ाता है। इससे निपटने के लिए सेलेनियम जरूरी है। खून में सेलेनियम की कम मात्रा मेंटल हेल्थ पर असर डालती है। रोजाना एक ब्राजील नट मेंटल फंक्शन को इंप्रूव करती है।

थायराइड फंक्शन के लिए है जरूरी

थायराइड ग्रंथि के प्रॉपर फंक्शन के लिए सेलेनियम जरूरी है क्योंकि थायराइड टिश्यू में सबसे ज्यादा मात्रा में सेलेनियम होता है। और, थायराइड ग्लैंड को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है।

सुरक्षा जांच के बाद ही बुक करें होटल

आजकल होटल में रूम बुक करने के ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके मौजूद हैं. ऐसे में जहां होटल की ऑनलाइन बुकिंग में लोगों के लिए सुरक्षा का जायजा लेना नामुमकिन होता है. वहीं ऑफलाइन बुकिंग करने पर भी होटल में आपकी सेफ्टी की कोई गारंटी नहीं होती है. ऐसे में यह कुछ स्मार्ट टिप्स की मदद से आप खुद अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं.

कुछ स्मार्ट सेफ्टी टिप्स

होटल में ठहरने के दौरान किसी भी अंजान व्यक्ति से अपने होटल की डिटेल्स भूलकर भी शेयर न करें. होटल रूम में रखी चीजों का कम से कम इस्तेमाल करना बेहतर रहता है. कई होटल्स में रूम की डेली सफाई नहीं होती है. ऐसे में रूम में रखे जार में पानी पीने से आप बीमार पड़ सकते हैं.

होटल में कुछ जगहें थोड़ी खतरनाक भी हो सकती हैं. इसलिए होटल की छत और बालकनी से उचित दूरी बनाकर रखें. अपनी सुरक्षा पुख्ता करने के लिए ध्यान रखें कि आपके कमरे का व्यू बाहर हीं दिखना चाहिए, वरना इससे आपको बाद में परेशानी भी उठानी पड़ सकती है. अगर आप होटल की ऑनलाइन/ ऑफलाइन बुकिंग कर रहे हैं, तो होटल का रिव्यू और रेटिंग जांच कर ही रूम बुक करें.

होटल के कमरे में लगे मिरर की जांच करें. यह देख लें कि मिरर दोनों ओर से न हो. क्योंकि ऐसी स्थिति में आपके कमरे का व्यू किसी दूसरे कमरे से देखा जा सकता है. यदि इसे नहीं जांचा तो यह सुरक्षा में सबसे भारी चूक होगी. कुछ लोग होटल का फ्री वाई-फाई मिलने के बाद उसका जमकर इस्तेमाल करने से नहीं चूकते हैं. लेकिन कुछ होटल का वाई-फाई कनेक्ट करने के बाद आपकी सभी पर्सनल फाइल होटल के सर्वर में सेव हो सकती हैं. इसलिए होटल का वाई-फाई यूज करने से पहले सिक्योरिटी चेक अवश्य कर लें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में फिर हाफ एनकाउंटर, लखीमपुर में पशु तस्कर को लगी गोली

लखीमपुर, यूपी पुलिस ने एक बार फिर हाफ एनकाउंटर किया है। शनिवार की देर रात लखीमपुर में पशु तस्करों से पुलिस का आमना-सामना हो गया। वैन में मांस भरकर ले जा रहे पशु तस्करों को पुलिस ने घेरा तो वे पुलिस पर फायर करते हुए भागने लगे। पुलिस ने भी फायरिंग का जवाब देते हुए गोलियां चलाई जिससे एक बदमाश जख्मी हो गया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी करके तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश को पैर में गोली लगी है। पुलिस ने मौके से जिस वैन को पकड़ा है उसमें दो कुंतल प्रतिबंधित मांस बरामद हुआ है। बदमाशों के कब्जे से पुलिस को असलहा भी मिला है। यह एनकाउंटर लखीमपुर खीरी के पसगवां थाना क्षेत्र में हुआ है।

पत्थर से सिर कुचल कर दी पत्नी की हत्या

भमोरा, एक शराबी को शराब के लिए पैसा न देने को लेकर चल रहे कलह में शराबी ने पत्थर से सिर कूंचकर पत्नी को मार डाला। शव घर में बंदकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया और घटना की जांच शुरू कर दी है। सीओ नीलेश मिश्रा ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। गांव देवचरा के दिवारी लाल पाल के 12 वर्षीय बेटे अनमोल ने बताया कि उसका पिता रोजाना शराब पीता है। वह घर में खर्च के लिए पैसा नहीं देते हैं। पिता की हरकतों से परेशान होकर वह अपने छोटे भाई प्रमोद के साथ गांव में भूपराम की दुकान पर मजदूरी करने जाता है।

मरीज की मौत परअस्पताल परिसर में हंगामा

आजमगढ़, मंडलीय अस्पताल परिसर में शनिवार की शाम को मरीज की मौत पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। निजी एंबुलेंस चालक पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। वाराणसी से कैंसर पीड़ित को लेकर निजी एंबुलेंस मंडलीय अस्पताल पहुंची थी। डॉक्टर ने पीड़िता को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के पहुंचने पर मामला शांत हुआ। तहबरपुर थाना क्षेत्र के रैसिंहपुर गांव निवासी 55 वर्षीय धर्मसेन सिंह कैंसर से पीड़ित थे। लगभग 8 दिनों से उनका वाराणसी के सुंदरपुर स्थित टाटा हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। डॉक्टर ने मरीज की हालत देखकर घर के पास उपचार करने की सलाह देते हुए रेफर कर दिया था।

नवनिर्वाचित विधायक नसीम सोलंकी को फोन पर धमकी

कानपुर, कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट से सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी का चुनाव जीतने के बाद एक ऑडियो वायरल हो गया। ऑडियो में एक व्यक्ति नसीम सोलंकी को धमकी देता नजर आ रहा है। धमकी देने वाला खुद को भाजपा नेता बता रहा है। धमकी देने वाला व्यक्ति नसीम सोलंकी के ऊपर 200 मुकदमे दर्ज करवाने की भी बात कह रहा है। दरअसल उपचुनाव के प्रचार के दौरान नसीम सोलंकी के बनखंडेश्वर मंदिर जाने का मामला एक बार गरमा गया है। मतगणना से एक दिन पहले शुक्रवार को स्वरूप नगर निवासी पूर्व भाजपा प्रवक्ता धीरज चढ़ढा ने नसीम को फोन कर धमकी दी।

भारत में वक्फ बोर्ड के पास कितनी जमीन

सरकार क्यों करना चाहती कानून में बदलाव?

एजेंसिया

दिल्ली, वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया गया है। यह मुसलमानों के बीच विवाद और आलोचना का विषय बन गया है। यह विधेयक वक्फ बोर्डों के कार्यों में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। साथ ही इन बोर्डों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी को भी सुनिश्चित करने की भी बात कही गई है। विधेयक को विपक्षी दलों से भी आलोचना का सामना करना पड़ा है। इसके बाद सरकार को इसके लिए जॉइंट पार्लियामेंटरी कमिटी (JPC) से जांच कराने का निर्णय लेना पड़ा है। सरकार को NDA के संकुलर घटक TDP और JD(U) का समर्थन प्राप्त हुआ है। इसके बाद यह विधेयक लोकसभा में पारित हुआ। वक्फ इस्लामी कानून के तहत संपत्ति का स्थायी समर्पण है। इसके तहत आने वाली संपत्तियों का इस्तेमाल धार्मिक, पुण्य या चैरिटेबल उद्देश्यों के लिए किया जाता है। यह संपत्ति न तो बेची जा सकती है और न ही स्थायी रूप से किराए पर दी जा सकती है।

वक्फ संपत्तियां क्या हैं?: वक्फ संपत्तियां वह संपत्तियां हैं जो मुसलमानों द्वारा धार्मिक या चैरिटेबल उद्देश्यों के लिए दान की जाती हैं। इनमें कृषि भूमि, इमारतें, मस्जिदें, मदरसे, दरगाहें, कब्रिस्तान, स्कूल, दुकानें और विभिन्न सामाजिक संस्थाएं शामिल होती हैं। भारत में हर राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है जो इन संपत्तियों के प्रबंधन का काम करता है।

भारत में वक्फ बोर्ड के पास कितनी संपत्ति है?: भारत में वक्फ बोर्डों के पास 9.4 लाख एकड़ भूमि है। इन संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 1.2 लाख करोड़ रुपये है। यह वक्फ बोर्ड को भारत का तीसरा सबसे बड़ा भूमि मालिक बनाता है। पहले स्थान पर भारतीय रेलवे और दूसरे स्थान पर सशस्त्र बल हैं।

वक्फ कानून में बदलाव क्यों किया जा रहा है?: वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के लिए पेश किए गए विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्डों की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। नए विधेयक के तहत वक्फ बोर्डों को अपनी संपत्तियां जिला कलेक्टरों के पास रजिस्टर कराना अनिवार्य होगा ताकि संपत्तियों का सही मूल्यांकन हो सके। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के सदस्य चुनाव के माध्यम से चुने जाते हैं, लेकिन नए विधेयक के तहत सभी सदस्य सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे। इसके कारण राजनीतिक नियंत्रण बढ़ने का डर जताया जा रहा है। विधेयक में यह भी प्रावधान है कि एक गैर-मुस्लिम व्यक्ति को वक्फ बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बनाया जा सकता है। हर बोर्ड में कम से कम दो सदस्य गैर-मुसलमान होने चाहिए। आलोचकों का कहना है कि इस प्रावधान से वक्फ बोर्डों की स्वतंत्रता पर आक्रमण हो सकता है।

वक्फ बोर्डों के सामने कानूनी विवाद और मुकदमेः सरकार के अनुसार, 40,951 मामले वक्फ ट्रिब्यूनल में लंबित हैं, जो वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवादों को सुलझाने वाले न्यायिक निकाय होते हैं। इनमें से 9,942 मामले मुस्लिम समुदाय द्वारा वक्फ संस्थाओं के खिलाफ दायर किए गए हैं। इन मामलों में भूमि स्वामित्व, प्रबंधन में गड़बड़ी और वक्फ संपत्तियों के गलत उपयोग को लेकर विवाद होते हैं। वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत किया जाता है। एक सर्वेक्षण आयुक्त इन संपत्तियों का पंजीकरण करता है और इसे स्थानीय जांचों, गवाहों के बयानों और सार्वजनिक दस्तावेजों के आधार पर सूचीबद्ध करता है। वक्फ का प्रबंधन एक मुतवल्ली द्वारा किया जाता है, जो इन संपत्तियों का पर्यवेक्षण करता है।

वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित कर सकता है?: नहीं, वक्फ संपत्ति का मतलब वह संपत्ति है जिसे किसी व्यक्ति ने स्थायी रूप से धर्म, पुण्य या चैरिटेबल उद्देश्यों के लिए दिया हो। वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को अपनी इच्छा से वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित करने का अधिकार नहीं है।

तीसरे विश्वयुद्ध की हुई शुरुआत?

हजारों की संख्या में उत्तर कोरियाई सैनिक पुतिन की सेना के साथ लड़ रहे हैं

एजेंसियां

मॉस्को/कीव, रूस और यूक्रेन के बीच 33 महीने से जारी युद्ध अब नए दौर में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है. रूस ने यूक्रेन पर 21 नवम्बर गुरुवार को मध्यम दूरी की नई हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी, जो अपनी तरह का पहला हमला है.

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मॉस्को ने यूक्रेन पर मध्यम दूरी की नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है. इसके साथ ही चेतावनी दी कि नई मिसाइलों से और भी हमले हो सकते हैं. रूस ने ये हमला यूक्रेन के अमेरिकी

एटीएसीएमएस और ब्रिटिश स्टॉर्म शैडो मिसाइलों को दागने के बाद किया है. अमेरिका ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए एटीएसीएमएस मिसाइलों के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी, जिसके बाद रूस ने तीसरे विश्व युद्ध की चेतावनी दी थी. अब नए घटनाक्रम से युद्ध नई दिशा में बढ़ता दिख रहा है. हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक रूस में मौजूद हैं और पुतिन की सेना के साथ लड़ रहे हैं. अब संकेत हैं कि इन्हें यूक्रेन में तैनात किया जा सकता है. तो क्या ये घटनाक्रम तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत है? यूक्रेन के पूर्व कमांडर इन चीफ और ब्रिटेन में वर्तमान राजदूत वेलेरी जालुज्नी ने दावा किया है कि रूसे सहयोगियों के उतरने के साथ ही तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो गया है. यूक्रेन पर अकेले रूस से नहीं लड़ रहा है. यह उत्तर कोरिया के सैनिकों का सामना कर रहा है. ईरान निर्मित शाहेद ड्रोन यूक्रेन में नागरिकों को खुलेआम मार रहे हैं. उत्तर कोरिया में बनी मिसाइलें यूक्रेन पर दागी जा रही हैं.

कौन हैं रूस के साथ?: कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सैनिक रूसी सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं. चीन भी रूस के साथ है. मध्य पूर्व में अमेरिका का कट्टर विरोधी ईरान भी रूस का साथ दे रहा है. ईरान ने रूस को बड़ी मात्रा में ड्रोन उपलब्ध कराए हैं, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ किया गया है. इसके अलावा रूस का सबसे करीबी सहयोगी बेलारूस और ईरान का सहयोगी सीरिया भी रूस के साथ है.

रिश्वत मामलाः अमेरिका में अदाणी व उनका भतीजा तलब

■ **21 दिनों के भीतर एसईसी को जवाब देने को कहा**

एजेंसियां

न्यूयॉर्क, अदाणी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर को अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने उन पर लगे आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए तलब किया है. अदाणी और उनके भतीजे पर अनुकूल सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने में शामिल होने का आरोप है. अदाणी के अहमदाबाद स्थित शांतिवन फार्म हाउस और उनके भतीजे सागर के इसी शहर में बोदकदेव आवास पर समन भेजकर 21 दिनों के भीतर एसईसी को जवाब देने के लिए कहा गया है. न्यूयॉर्क पूर्वी जिला अदालत के माध्यम से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि इस समन की तामील के 21 दिनों के भीतर (जिस दिन आपको यह समन मिला, उसे छोड़कर). आपको वादी (एसईसी) को संलग्न शिकायत का जवाब देना होगा या संघीय सिविल प्रक्रिया के नियम 12 के तहत एक प्रस्ताव तामील करना होगा.

अदालत में शुरू हुआ मुकदमा

यदि आप जवाब देने में विफल रहते हैं, तो शिकायत में मांगी गई राहत के लिए आपके खिलाफ निर्णय लिया जाएगा. आपको अपना जवाब या प्रस्ताव भी अदालत में दाखिल करना होगा. गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर सहित 7 अन्य प्रतिवादी, जो समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में निदेशक हैं, पर बुधवार को न्यूयॉर्क की एक अदालत में मुकदमा शुरू हुआ.

मनोज वाजपेयी को जमीन खरीदने पर मिलेगा नोटिस

एजेंसियां

अल्मोड़ा, उत्तराखंड में बाहरी व्यक्तियों की जमीन खरीद-फरोख्त की जांच के बाद अब नोटिस भेजे जाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रशासन ने तय समय में तय शर्तों के तहत भूमि का उपयोग नहीं करने वालों की सूची तैयार कर ली है। इनमें मशहूर सिने स्टॉर मनोज वाजपेयी के अलावा कई उद्योगपतियों के नाम भी शामिल हैं। राज्य में भू-कानून की मांग के बीच सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बीते दिनों सभी जिला प्रशासन को बाहरी व्यक्तियों की ओर से खरीदी भूमि की सूची तैयार करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, तय शर्तों का पालन नहीं किया था उनके खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी। इसके तहत अल्मोड़ा जिला प्रशासन बाहरी व्यक्तियों के भूमि खरीद का डाटा तैयार कर 23 लोगों की सूची बना ली है। इनमें से 11 के नाम सार्वजनिक भी हो चुके हैं। शेष अन्य को नोटिस जारी करने की तैयारी है। इनमें मशहूर फिल्म स्टार मनोज वाजपेयी का नाम भी शामिल है। प्रशासनिक अधिकरियों के मुताबिक नोटिस जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। संबन्धित को जवाब देने का तय समय दिया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर भूमि को निहित करने की कार्रवाई की जाएगी। बाहरी व्यक्तियों की ओर से गलत तरीके से भूमि खरीदने के मामले में मुंबई के उद्योगपति की भूमि जब्त की जा चुकी है। उद्योगपति ने मानकों को पूरा किए बिना चितई के पास 108 भूमि खरीदी थी। मामले में जिला प्रशासन ने उद्योगपति को नोटिस जारी किया था।

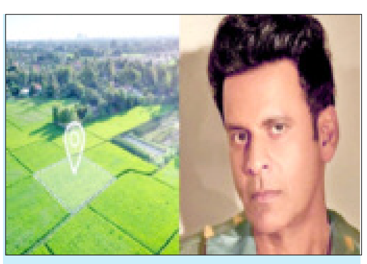

उत्तराखंड में इसलिए खरीदी थी प्रॉपर्टी

पूछताछ के बाद भूमि खरीद बैनामे को अमान्य घोषित किया था। उद्योगपति ने कुमाऊं कमिश्नर के दरबार में गुहार को खारिज कर दिया गया है। जिला प्रशासन की सूची में अब तक 23 लोगों के नाम हैं।

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर, मुठभेड़ में मारे गए 10 नक्सली

कई महीनों से छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चल रहा है अभियान

एजेंसियां

सुकमा, छत्तीसगढ़ में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच भीषण मुठभेड़ चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार, सुकमा में चल रहे एनकाउंटर में अब तक 10 नक्सली मारे जा चुके हैं। पिछले कई महीनों से छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। इस दौरान कई नक्सली ढेर हुए हैं। सुकमा में चल रहे एनकाउंटर पर जानकारी देते हुए बस्तर रेंज के आईजी पी. सुंदरराज ने बताया कि डीआरजी के साथ मुठभेड़ में दक्षिण सुकमा में 10 नक्सलियों को ढेर किया गया है। सुंदरराज ने बताया कि मुठभेड के दौरान भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, नक्सलियों के ठिकानों से इंसास, एके-47, एसएलआर और कई बड़े हथियार बरामद हुए हैं। सुंदरराज ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन लगातार चल रहा है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम और भंडारपदर के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया।

सहेलियों ने आपस में शादी के लिए पुलिस से लगाई गुहार

■ **कहा, दो जिस्म एक जान हैं हम**

मेरठ, मेरठ में पुलिस ऑफिस पर दो सहेलियों ने शनिवार को आकर ऐसी बातें कहीं जिससे सनसनी फैल गई। दोनों सहेलियों ने आपस में शादी की गुहार पुलिस से लगाते हुए परिवार वालों के विरोध की बात कही। पुलिस अधिकारी ने पहले ध्यान से युवती की बात सुनी फिर पूछा समलैंगिक विवाह करना चाहती हो। युवती के हां कहने के बाद उनके मामले को संबंधित थाने को कार्रवाई के लिए भेज दिया है।

शनिवार सुबह मेरठ में पुलिस आफिस पर फरियादियों की भीड़ जुटी थी। रोजाना के मुकाबले कुछ कम लोग थे, लेकिन सभी फरियादी अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इन्हीं में सबसे पीछे एकदम कोने में दो युवतियां बैठी थीं। इनमें एक युवती ब्वॉय कट हेयर स्टाइल के साथ युवक के ड्रेसअप में थी। काफी देर तक दोनों सहेलियां अपनी बारी का इंतजार करती रहीं। फिर अचानक महिला कांस्टेबल ने युवतियों को आवाज लगाई। ब्वॉय कट बालों वाली युवती हाथ में प्रार्थना पत्र लेकर अंदर पहुंची और सीओ यातायात संतोष सिंह के सामने खड़ी हो गई। इस दौरान सीओ कैंट भी मौजूद थे। सीओ संतोष सिंह ने प्रार्थना पत्र पढ़ना शुरू किया तो उनके चेहरे के भाव बदलते चले गए।

युवतियों को पुलिस ने किया समझाने का प्रयास

कहा कि सहेली का परिवार अब उसे घर से बाहर भी निकलने नहीं दे रहा है। बड़ी मुश्किल में वह यहां आई है। सीओ ने समलैंगिक विवाह कानून को लेकर कुछ चर्चा की और मामले को संबंधित थाने के लिए रेफर कर दिया। इस दौरान युवती से बात करने का काफी प्रयास किया लेकिन वह बिना बातचीत किए वहां से चली गई। सीओ संतोष सिंह के अनुसार एक प्रार्थना पत्र आया था, जिसे संबंधित थाने को फारवर्ड कर दिया गया है। थाना पुलिस कानून के दृष्टिगत उस पर काम करेगी।

यशस्वी जायसवाल को सेंचुरी के सेलिब्रेशन के लिए करना पड़ा इंतजार

थर्ड अंपायर तक पहुंच गई बात

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में बिना खाता खोले आउट हो गए थे। ऐसे में सवाल उठ रहे थे कि क्या यशस्वी जायसवाल उस तरह की क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में खेल पाएंगे, जो उन्होंने भारत या अन्य जगहों पर खेली है? इसका जवाब यशस्वी जायसवाल ने पहले ही मैच की दूसरी पारी में दे दिया। यशस्वी जायसवाल ने पर्थ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में दमदार शतक जड़ा। हालांकि, सेंचुरी के सेलिब्रेशन के लिए यशस्वी जायसवाल को थोड़ा इंतजार करना पड़ा।

दरअसल, यशस्वी जायसवाल 95 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। भारत की दूसरी पारी का 62वां ओवर प्रगति पर था। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज जोश हेजलवुड गेंदबाजी कर रहे थे। हेजलवुड ने यशस्वी का बाउंसर मारा, लेकिन यशस्वी ने उस पर अपर कट मार दिया। गेंद बाउंड्री के पार चली गई। ऐसा लगा कि ये छक्का है, लेकिन मैदानी अंपायर फैसला नहीं ले पाए। उन्होंने बाउंड्री चेक के लिए थर्ड

अंपायर का रुख किया। इस दौरान यशस्वी जायसवाल सेंचुरी सेलिब्रेट नहीं कर पाए, क्योंकि अगर चौका होता तो वे 99 पर पहुंचते और छक्का होता तो ही शतक पर पहुंचते। ऐसे में थर्ड अंपायर ने चेक किया और पाया कि ये छक्का है। इसके बाद ही यशस्वी ने जश्न मनाया। वीडियो यहां देख सकते हैं। यशस्वी जायसवाल ने चौथा शतक अपने टेस्ट करियर में जड़ा है। वे इस मैच में 205 गेंदों में शतक पूरा कर सके, जो कि उनके करियर का सबसे धीमा शतक है, लेकिन सबसे ज्यादा खास भी यही शतक है, क्योंकि वे ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने पहले ही मैच में शतक जड़ा है। यशस्वी ने केएल राहुल के साथ 200 रनों से ज्यादा की साझेदारी की और भारत के लिए इतिहास रचा, क्योंकि इससे पहले दो ओपनरों के बीच ऑस्ट्रेलिया में इतनी बड़ी साझेदारी नहीं हुई।

12 लाख परिवारों को दिसंबर में मिलेगी आवास की पहली किस्त

ममता की बड़ी घोषणा: राज्य सरकार अपनी तरफ से पैसा देगी

कोलकाता, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को केंद्र पर प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत पिछले तीन वर्षों से राज्य को कोई पैसा नहीं देने का आरोप लगाते हुए बड़ी घोषणा की। ममता ने कहा कि 12 लाख लोगों को पक्के आवास के लिए राज्य सरकार अपनी तरफ से पैसा देगी। राज्य सचिवालय नवान्न में पत्रकारों से बातचीत में ममता ने घोषणा की कि इन 12 लाख परिवारों को बांग्ला आवास योजना के तहत 15 दिसंबर से 30 दिसंबर तक पहली किश्त भेज दी जाएगी।

ममता ने कहा कि बंगाल में कुल 36 लाख मिट्टी के घर हैं। इनमें से 12 लाख परिवारों को पहले चरण में राज्य सरकार दिसंबर से पहली किश्त की राशि देगी। बाकी 24 लाख परिवारों को भी उन्होंने तीन साल के भीतर आवास के लिए राज्य सरकार की तरफ से राशि देने का वादा किया। ममता ने कहा कि मुझे केंद्र की दया या भीख नहीं चाहिए। मुझे मेरे तरह सरकार चलाने दें। उन्होंने वादा किया कि राज्य के सभी जरूरतमंद लोगों को आवास योजना का लाभ मिलेगा। ममता ने साथ ही कहा कि अगर आवास का पैसा हमलोग दे रहे हैं तो नाम भी हमलोग ही रखेंगे। आवास योजना का नाम बांग्लार बाड़ी होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी गरीबों को पक्का घर मिलेगा। राज्य सरकार कोई भेदभाव नहीं करेगी। ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने नाम पर सरकारी योजनाओं का नाम रखने को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि नाम प्रधानमंत्री आवास योजना है, लेकिन 40 प्रतिशत पैसे राज्य सरकार देती है। चुनाव में वे लोग (भाजपा) अपना पोस्टर लगाकर प्रचार करते हैं। शौचालय भी प्रधानमंत्री के नाम से बनता है। उन्होंने कहा कि मेरी मृत्यु होने पर कभी मेरा स्टेच्यू न बनाया जाए। ममता ने इस दौरान यह भी जानकारी दी कि लक्ष्मी भंडार योजना में और पांच लाख सात हजार महिलाओं के नाम शामिल किए गए हैं। दिसंबर से इन महिलाओं को पैसे मिलने लगेंगे। इससे राज्य को सालाना 625 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च आएगा।

चुनाव से पहले नेहा लाईं 'दिल्ली में का बा'

■ **अब नेहा के निशाने पर केजरीवाल**

एजेंसियां

नई दिल्ली, 'यूपी में का बा?' और 'बिहार में का बा?' गाकर फेमस हुईं लोकगायिका नेहा सिंह राठौर ने अब इसका एक और वर्जन पेश किया है। योगी आदित्यानाथ और नीतीश कुमार के बाद अब उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल हैं।

नेहा ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले नेहा ने 'दिल्ली में का बा?' गाना रिलीज किया है। इसमें उन्होंने आम आदमी पार्टी और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर तीखे शब्द-बाण चलाए हैं। नेहा का यह गाना खूब वायरल हो रहा है। एक्स पर अपना गाना जारी

करते हुए नेहा ने कहा कि एक वह सत्ता के खिलाफ आवाज उठाती रहेंगी, चाहे वह कोई भी प्रदेश हो। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'लोकगायिका के तौर पर मेरे गीत हमेशा सत्ता के विरुद्ध आम जनता की आवाज रहे हैं और रहेंगेफिर वो चाहे कोई प्रदेश हो या पूरा देश। आम आदमी पार्टी दिल्ली में दस साल से सत्ता में है और उसके शासन में तमाम खामियां रही हैं जिसे उजागर करना मेरा धर्म है। जय हिन्दजय भोजपुरी।'

राजस्थानः अलवर में साइबर ठग सक्रिय

पुलिस-CBI का दिखा रहे हैं डर; ऐसे देते है यातना

एजेंसियां

अलवर, दिल्ली एनसीआर से सटे अलवर में साइबर ठग सक्रिय है। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद इन पर रोक नहीं लग पा रही है। साइबर ठगों ने हाल में बहरोड़ में 16 घंटे तक यातना दी। पुलिस और सीबीआई का डर दिखाया। पीड़ित के मुताबिक अचानक दोपहर दो बजे मेरे पास एक फोन आया।फोन करने वाले ने मुझे ट्राई का अधिकारी बनकर बात की। उसने बताया कि आपके नाम की एक सिम से बड़े स्तर पर अपराध किए गए हैं। आपके मोबाइल को बंद किया जाता है साथ ही आपका आधार कार्ड भी निरस्त किया जाएगा। उसने कहा कि अपराध मुम्बई में हुआ है। इसकी जांच की जा रही है। उसने बताया कि आपसे हमारे साइबर अधिकारी बात करेंगे।

इस पर घरवालों ने ठगों को कॉल कर हड़काया तो उन्होंने मोबाइल बंद कर लिए साथ ही भेजे गए मैसेज भी डिलीट कर दिए। खबर के अनुसार युवक लंदन पढाई के लिए जा रहा था, उसके खाते में लाखों रुपए परिजनों ने डलवा रखे थे। यदि सुबह वह नहीं बताता तो वह ठगों का शिकार बन सकता था। इसके बाद उसने स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायत भेजी है। पुलिस को अन्देशा है की उसने जिस एजेंसी के माध्यम से वीजा अप्लाई किया था वहां से उसकी डिटेल लीक होकर ठगों तक पहुंची है।

यह कह कर उसने कॉल ट्रांसफर कर दिया। युवक ने बताया कि उन लोगों ने मेरे मोबाइल पर व्हाटस ऐप पर वीडियो कॉल कर जोड़ा। सामने पुलिस ड्रेस में एक अधिकारी बैठा नजर आया। उसने काफी देर तक मेरे को धमकाया। इस दौरान मुझ पर मनी लॉन्ड्रिंग, ह्यूमन ट्रैफिकिंग और दो करोड़ के लेनदेन का आरोप लगाया। छह घंटे से भी अधिक तक विभिन्न अधिकारियों ने मेरे से बातचीत की। वे मुझे डराते रहे, बाद में कहा कि सीबीबाई मामले की जांच कर रही है। इस बारे में घरवालों से किसी को भी कुछ नहीं बताना है। उन्होंने मुझे बंद कमरे में अंधेरा करके जूम ऐप पर माइक्रोफोन की आवाज ऑन रखने को कहा। सुबह बड़े अधिकारी मामले में बात करेंगे। इससे डर कर मैं रात भर परेशान रहा। खाना भी नहीं खाया और न ही कमरे से बाहर निकला। इससे घरवालों को शक हो गया। उन्होंने सुबह जबरदस्ती दरवाजा खुलवाया, तब उन्हें मामले की जानकारी दी।

आम सूचना

हम श्री विजयसिंह महरु सालुंखे, श्रीमती मनीषा विजयसिंग सालुंखे, कल्याणी विजयसिंग सालुंखे व श्री खुशहालसिंह विजयसिंह सालुंखे सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. ए-99/1, साईनाथ कालोनी, गजानन नगर, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 40सीओ022112600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कौशल्या हरेश मकवाना के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 31.10.2023 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री विजयसिंह महरु सालुंखे,
श्रीमती मनीषा विजयसिंग सालुंखे,
कल्याणी विजयसिंग सालुंखे व
श्री खुशहालसिंह विजयसिंह सालुंखे

संक्षेप...

बस से कुचलकर महिला की मौत

भिवंडी. गुलजार निवासी एक महिला की सड़क क्रास करते समय बस ने कुचल दिया.गंभीर रूप से घायल महिला को आईजीएम अस्पताल लाए जाने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.महिला का शव पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल में रखा गया है.शांतिनगर पुलिस ने बस चालक पर एक्सीडेंट का मामला दाखिल किया है. गुलजार निवासी महिला गैबीनगर स्थित भाजी मार्केट में सामन खरीद कर घर लौट रही थी.सड़क क्रासिंग के दौरान तेजी से आई स्कूल बस महिला को कुचलकर आगे बढ़ गई. राहगीरों ने महिला को फौरन उठाकर आईजीएम अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि जकात नाका से शांतिनगर एरिया तक जाने वाला मार्ग पर दुकानदारों द्वारा भारी अतिक्रमण कर मार्ग को चलने लायक भी नहीं छोड़ा गया है. मार्ग के दोनों किनारों पर भारी अतिक्रमण होने से पैदल यात्री भी ठीक से चल नहीं पाते हैं.

महाराष्ट्र में छाया योगी का मैजिक, 18 के लिए किया प्रचार 17 जीते

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुका है, जिसके बाद शनिवार को चुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए। चुनाव परिणाम के अनुसार महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत हासिल हुआ है। वहीं अब राज्य में सरकार बनाने की तैयारी भी तेज कर दी गई है। हालांकि, अटकलें लगाई जा रही हैं कि वर्तमान उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस महाराष्ट्र की बागडोर अपने हाथों में ले सकते हैं, क्योंकि मतदान में 132 से अधिक सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में भाजपा ने महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया है। इस जीत में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का भी अहम रोल रहा है। इस बीच, महायुति नेताओं और कार्यकर्ताओं का संयुक्त राजनीतिक प्रचार भी चर्चा का विषय बना हुआ है। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की एक लिस्ट भी जारी की थी। इस लिस्ट में पीएम

नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित सहित कई बड़े चेहरों को भाजपा ने अपना स्टार प्रचारक बनाया था। इन 40 नामों में से सबसे ज्यादा चर्चा में अगर कोई है तो वह यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हैं।

■ सीएम योगी का चला मैजिक

विशेषज्ञों द्वारा विश्लेषण किए गए परिणामों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने 18 भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया, जिनमें से 17 की जीत हुई। एकमात्र भाजपा उम्मीदवार विजय अग्रवाल को अकोला पश्चिम विधानसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा। विजय अग्रवाल को कांग्रेस के साजिद खान ने महज एक हजार वोटों के अंतर से हराया था। इस तरह से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को बीजेपी उम्मीदवारों के प्रचार के लिए लिए 95% स्ट्राइक रेट मिला है।

■ स्ट्राइक रेट 95 %

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायुति गठबंधन के सहयोगियों दलों के 5 उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार किया, जिससे उनके द्वारा समर्थित महायुति उम्मीदवारों की कुल संख्या 23 हो गई, इनमें से 20 ने जीत हासिल की। इन 20 प्रत्याशियों में से 17 भाजपा उम्मीदवार हैं। वहीं तीन असफल उम्मीदवारों में शिवसेना के दो और भाजपा का एक उम्मीदवार शामिल है। कुल मिलाकर, महायुति उम्मीदवारों के लिए योगी आदित्यनाथ का स्ट्राइक रेट 87% है, जबकि अकेले बीजेपी के लिए उनका स्ट्राइक रेट 95% है।

महाराष्ट्र में लगे पोस्टर

महाराष्ट्र में सीएम योगी के स्ट्राइक रेट को लेकर पोस्टर भी लगाए गए हैं। इस पोस्टर पर सबसे ऊपर चुनाव के दौरान चर्चा में रहा 'बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं' का नारा लिखा है। इसके बाद '4 दिन, 11 जनसभा, 18 प्रत्याशियों का प्रचार, 17 प्रत्याशियों की जीत' और 'स्ट्राइक रेट- 95%' लिखा हुआ है। इस पोस्टर को महाराष्ट्र में विश्वबंधु राय नाम के किसी कार्यकर्ता ने लगाया है, जिसमें सीएम योगी का स्ट्राइक रेट 95 प्रतिशत होने का दावा किया गया है।

वो काली शाम जब मुंबई में पाकिस्तानी आतंकियों ने खेली थी खून की होली

इतिहास के पन्नों में 26 नवंबर

मुंबई. 26 नवंबर 2008 की शाम मुंबई में आतंकियों ने जिस तरह हमले को अंजाम दिया, उसे कोई भारतीय नहीं भूल सकता। पाकिस्तान के कराची से समुद्र के रास्ते नाव पर सवार होकर आए जैश-ए-मोहम्मद के 10 आतंकवादियों ने बम धमाकों और गोलियों से मुंबई को दहला दिया। अगले दो दिनों तक आतंकियों का खूनी खेल जारी रहा। आतंकियों ने तीन बड़े होटलों ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल और नरीमन हाउस को निशाना बनाया और बड़ी संख्या में इन होटलों में रुके देशी-विदेशी मेहमानों को बंधक बना कर कई की हत्या कर दी। दक्षिणी मुंबई का लियोपोल्ट कैफे भी आतंकी हमले का निशाना बना था। इन आतंकियों ने सबसे पहला कत्लेआम शिवाजी रेलवे टर्मिनल पर मचाया जहां मुख्य हॉल में दो हमलावरों ने एके47 राइफलों से 15 मिनट तक लगातार गोलीबारी कर 52 लोगों को मौत के घाट उतार दिया और 100 से ज्यादा लोगों को घायल कर दिया था। 29 नवंबर की सुबह तक 9 हमलावर आतंकियों का सफाया हो चुका था और अजमल कसाब के तौर पर एक आतंकी पुलिस गिरफ्त में था। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ चुकी थी लेकिन 160 से ज्यादा निर्दोष लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

मुंबई सहित कई शहरों में CNG 2 रु. प्रति किलो महंगी

मुंबई. इधर चुनाव खत्म और उधर सीएनजी के दाम में सोमवार को हो गई बढ़ोतरी। जी हां, मुंबई सहित देश के कई शहरों में सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी गई है। यहां अब सीएनजी की कीमत 77 रुपये प्रति किलोग्राम है। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीटीआई की खबर के मुताबिक, सिटी गैस कंपनियों ने यह जानकारी सोमवार को दी है। चुनावी राज्य दिल्ली में उपभोक्ताओं को फिलहाल इससे छूट दी गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और अन्य शहरों में कीमतों में बढ़ोतरी की गई, लेकिन दिल्ली, जहां कुछ ही हफ्तों में चुनाव होने वाले हैं, को इससे छूट दी गई।

खबर के मुताबिक, चुनाव खत्म

होने के बाद, मुंबई में सिटी गैस रिटेलर, महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई और आसपास के इलाकों में सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। एमजीएल की वेबसाइट के मुताबिक, एमजीएल और अडानी टोटल गैस लिमिटेड जैसे दूसरी सिटी गैस रिटेलरों ने इनपुट लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद पिछले दो महीनों से खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

एमजीएल और आईजीएल ने बढ़ोतरपी के कारणों के बारे में नहीं बताया, लेकिन कहा गया कि विनियमित या एपीएम गैस की आपूर्ति में लगातार दो दौर की कटौती के बाद फर्मों को अब महंगी गैस खरीदनी पड़ रही है। जमीन और समुद्र तल से निकाली गई प्राकृतिक गैस को ऑटोमोबाइल चलाने के लिए सीएनजी में बदला जाता है। लेकिन ONGC के घरेलू क्षेत्रों से आपूर्ति, जिसे APM गैस कहा जाता है, CNG की मांग के साथ तालमेल नहीं रख पाई है।

ठाणे आरटीओ करेगी जब्त 40 वाहनों का ऑनलाइन नीलामी

ठाणे. यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के जप्त वाहनों का नीलामी 3 दिसंबर को ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा ।विभाग की ओर से कार्रवाई के दौरान 40 वाहन जप्त किया गया है ।प्रादेशिक परिवहन कार्यालय ठाणे महाराष्ट्र वाहन अधिनियम 1959 व अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए ठाणे , राज्य परिवहन भिवंडी आगार, भिवंडी, राज्य परिवहन मिरा भाईंदर आगार, मुंब्रा यातायात पुलिस स्टेशन, राज्य परिवहन

फाइल फोटो

शहापूर आगार में जप्त वाहनों को रखा गया है ।40 वाहनों को भूमि राजस्व अधिनियम, 1966 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए 29 नवंबर को सुबह 11 बजे प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, ठाणे में ऑनलाइन ई-नीलामी के माध्यम से नीलाम किया जाना था लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से इस नीलामी को 3 दिसम्बर सुबह 11 बजे ऑनलाइन ई-नीलामी किया जायेगा ।नीलामी के लिए इच्छुक लोगों से अनुरोध है कि वह प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, ठाणे के माध्यम से नीलामी में हिस्सा लें ।उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि नीलामी के नियम व शर्तों और जमा राशि की जानकारी नीलामी से पहले ऑनलाइन दिया गया है।

कार डिवाइडर से टकरा गई, 18 वर्षीय दो युवकों की मौत

मुंबई. मुंबई वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर देर रात की मौज-मस्ती की सवारी दोस्तों के एक समूह के लिए दुखद साबित हुई, जब विले पार्ले में उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें 18 वर्षीय दो युवकों की मौत हो गई। इस घटना में जलज धीर और सार्थक कौशिक की मौत हो गई, जो पिछली सीट पर बैठे थे। वेस्टर्न एक्सप्रेस पर मौज-मस्ती की सवारी के दौरान कार डिवाइडर से टकराने से दो किशोरों की मौत विले पार्ले पुलिस के अनुसार, चार दोस्तों का समूह, जो सभी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रथम वर्ष के छात्र थे, देर रात बांद्रा में खाना लेने के लिए निकले थे। सुबह करीब 4:30 बजे गोरेगांव लौटते समय, ड्राइवर साहिल मेंधा सर्विस रोड और फ्लाईओवर के बीच भ्रमित हो गया, उसने तेज गति (120-150 किमी/घंटा) पर एक तेज मोड़ लेने की कोशिश की और डिवाइडर से टकरा गया।

कार में मौजूद 18 वर्षीय एक अन्य व्यक्ति और प्रत्यक्षदर्शी जेदान जिमी ने पुलिस को बताया कि देर रात बाहर जाने का फैसला करने से पहले उन्होंने शाम को साथ में वीडियो गेम खेलते हुए और लोगों से मिलते हुए बिताया था। रविवार को गिरफ्तार किए गए मेंधा ने दावा किया कि उसने शराब नहीं पी थी, हालांकि उसके बयान की पुष्टि के लिए रक्त परीक्षण किए गए हैं।

ठाणे जिला में पशुगणना की शुरुआत

ठाणे. पशु गणना की शुरुआत 25 नवंबर से हुई और यह 28 फरवरी तक यह मुहिम चलेगी। तीन हजार परिवार के पीछे 1 प्रगणक को नियुक्ति किया गया। पशु गणना होने पर पशुओं को दी जाने वाले निधी उपलब्ध कराने में सुविधा होगा ।पशु विभाग की ओर से हर पांच साल बाद पशु गणना किया जाता है ।यह जन गणना पहले साल 2019 में हुआ था ।इस बार के जनगणना में 2 साल देर हुआ ।पशुओं की जनगणना के लिए प्रगणक को प्रशिक्षण दिया गया है ।पशुओं के पर्यवेक्षक पद के लिए डिप्लोमा कोर्स किया है उनको इस पद पर नियुक्त किया जायेगा ।इस अभियान में मवेशी, भैंस, बकरी-,भेड़, घोड़ा, सूअर की गिनती की जायेगी ।पशुधन जनगणना से पशुओं की सही संख्या का पता चलता है ।इसके लिए सरकार के नीतियों और योजनाओं की योजना बनाई जाती है। धन की उपलब्धता पशु चिकित्सालय के दायरे में पशुधन की संख्या से निर्धारित होती

है और उसी के अनुरूप टीकाकरण के लिए दवाओं की आपूर्ति की जाती है ।इसलिए पशुपालन विभाग के पशुपालन उपायुक्त वल्लभ जोशी व जिला परिषद के पशुपालन अधिकारी डॉ समीर तोडणकर ने पशुपालकों से अपने पशुओं के बारे में वास्तविक जानकारी देने के लिए आवाहन किया है ।ठाणे जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुल 72 प्रगणक और 14 पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है और शहरी क्षेत्रों के लिए 389 प्रगणक और 47 पर्यवेक्षक नियुक्त है ।क्षेत्रीय पशुपालन संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रशांत कांबले ने ठाणे जिले की समीक्षा की और पशु गणना की तैयारी का मार्गदर्शन किया।

पांच साल पहले पशुधन गणना हुई थी उस समय गणनाकारों को टैब दिए गए थे ।इस पर सूचनाएं भरी गईं अब गणनाकारों को अपने मोबाइल फोन का उपयोग करना होगा ।केंद्रीय पशुपालन विभाग के सॉफ्टवेयर पर पशुधन की जानकारी दर्ज करनी होगी। पशुपालन विभाग ने जानकारी दी है कि प्रगणकों को अलग से पारिश्रमिक और मोबाइल उपयोग भत्ता दिया जाएगा।

चोरी करते पकड़े जाने पर महिला ने सुरक्षाकर्मी को चाकू मारा

ठाणे. महाराष्ट्र सुरक्षा बल (एमएसएफ) के 26 वर्षीय जवान पर ठाणे रेलवे स्टेशन पर एक महिला ने चाकू से तब हमला कर दिया जब कर्मी ने उसे चोरी करने के आरोप में पकड़ा। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को जब यह घटना घटी तब एमएसएफ के जवान अनिकेत कदम प्लेटफॉर्म 9-10 पर गश्त ड्यूटी पर थे। सतर्क किये जाने के बाद कदम ने एक महिला का पीछा किया, जिसकी पहचान जैनब मेमन के रूप में हुई, और उसे एक यात्री का सामान चोरी करने के आरोप में हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने कहा कि आरोपी महिला के पति ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उसे भी पकड़ लिया और कहा कि वह भी अपराध में शामिल था। जब कदम दंपति को पुलिस थाने ले जा रहा था, तो महिला ने चाकू निकाला और उसकी कमर पर वार कर दिया। इससे कदम घायल हो गए, लेकिन उन्होंने महिला को भागने नहीं दिया। हालांकि, उसका पति जहीर मेमन भाग गया।

अधिकारी ने बताया कि कदम को अस्पताल ले जाया गया और उपचार के बाद उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया। राजकीय रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि जहीर को अगले दिन गिरफ्तार कर लिया गया।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the public at large informing that my client intending to purchase the property Residential Premises constructed on Govt. Land situated at Opp. Block No. A-706 Behind Netaji High School, Near Devi Soap Factory Ulhasnagar-5, Dist. Thane area adm. 281 Sq. Yards equivalent to 2529 Sq. Ft., duly fitted with electric connection, assessed under Municipal Ward No. 53, Property No. 53DO011348300 from Smt. Harsha Vishnu Sidhwani

If Any person or persons having claim against or in the above property by way of any arrangement, agreement, partnership, tenancy, inheritance, succession, trust, mortgage, lien, lease, charge, maintenance easement or otherwise howsoever is hereby required to make the same known to me in writing with documentary proof at my following address within a period of 7 days from the date hereof, otherwise such claim or claims shall be considered waived and abandoned and my client shall be absolutely free to purchase the above said property by entering into Sale Deed/Agreement free from all encumbrances.

Sd/-
Ramesh T. Ramrakhiyani
B.com LLB
Advocate High Court
9, Roopmilan Society, Main Road,
Opp. Venus Talkies, Ulhasnagar-4.
Mobile : 9320667400 / 9422667400

खदान रोड बदहाल मार्ग पर खड़े वाहनों से ट्रैफिक जाम

भिवंडी. शहर की सबसे बदहाल सड़क भिवंडी कल्याण मार्ग आसबीबी मस्जिद से मानसरोवर मार्ग तक बड़ी संख्या में लावारिस वाहन खड़े होने से यातायात जाम का दुख लोग भोग रहे है. सड़क किनारे जगह-जगह कचरा फेंका जा रहा है.नागरिक मिट्टी की सड़क और जानलेवा गड्ढे में चलकर घायल हो रहे हैं.कचरे की दुर्गंध से लोगों का बुरा हाल है.मुख्यमंत्री अजीत पवार गट राका जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने मनपा आयुक्त अजय वैद्य और यातायात विभाग के शीर्ष अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई कर ट्रैफिक नियोजन,सड़क निर्माण सहित स्वच्छता पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है अन्यथा मनपा मुख्यालय, ट्रैफिक विभाग कार्यालय के समक्ष आंदोलन की चेतावनी दी है.

गौरतलब हो कि,आसबीबी मस्जिद से मानसरोवर मार्ग पूर्णतया बदहाल गड्ढों से भरा है.सड़क पर गड्ढे या गड्ढे में सड़क पहचान मुश्किल है.मार्ग के दोनों तरफ 24 घंटे भारी वाहन खड़े रहते हैं जिससे लोगों को हमेशा ट्रैफिक जाम का दुख भोगना पड़ता है.खराब सड़क

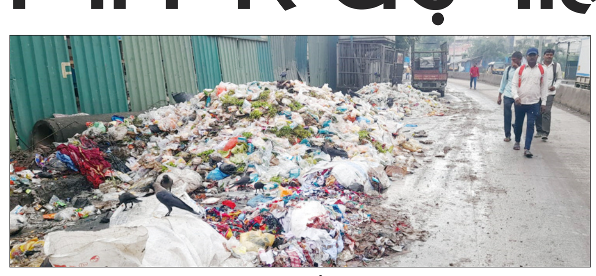

के दोनों किनारों पर कचरे का ढेर पड़ा हुआ बजबजाता रहता है.बदहाल सड़क के गड्ढों में गिरकर लोगों के हाथ पांव टूटते हैं. मानसरोवर स्थित मनपा आयुक्त निवास भी इसी मार्ग पर है.आयुक्त अजय वैद्य दिन में 4 बार आते जाते हैं बावजूद मार्ग दुरुस्ती, गड्ढा मुक्त, कचरा मुक्त किए जाने का कोई प्रयास नहीं किया जाता है.आरोप है कि,आयुक्त वैद्य की गाड़ी के कांच में पर्दा लगा होने से उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता है.कुछ माह पूर्व सड़क की नाप जोख होने से लोगों को आशा थी कि,आरसीसी सड़क होगी जिससे यातायात सुगम होगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ. सड़क पर कई स्थानों पर कई-कई महीनों तक पुराने लावारिस वाहन टेंपो रिक्शा खड़े रहते हैं, जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले नागरिकों को ट्रैफिक जाम की भारी परेशानी उठानी पड़ती है. सड़क पर जगह-जगह भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा फेंके जाने के कारण नागरिकों को यहां दुर्गंध का सामना करना पड़ता है. सड़क पर हमेशा जाम लगा रहता है.ट्रैफिक के कारण कई बार स्कूल बस भी इस जाम में फंस जाती है और छात्र समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते और उनकी पढ़ाई का नुकसान होता है.कई बार अति आवश्यक सेवा की एंबुलेंस भी इस जाम में फंस जाती है जिससे सीरियस मरीज के जान का खतरा भी बढ़ जाता है.राकांपा अजीत पवार गट जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने सड़क निर्माण, स्वच्छता, ट्रैफिक व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने वाली सरकारी एजेंसियों से नागरिकों के हित में आवश्यक कदम उठाने की मांग की है अन्यथा जनहित मुद्दे को लेकर जनांदोलन की चेतावनी दी है.

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

विजय देवरकोंडा के साथ लंच डेट पर दिखीं रश्मिका

रूमर्ड कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को एक साथ लंच डेट पर देखा गया। दोनों की साथ की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आई हैं।

एक तस्वीर में विजय टेबल पर बैठकर खाना खा रहे हैं। रश्मिका उनके सामने और कैमरे की तरफ पीठ करके बैठी दिखीं। वहीं दूसरे फोटो में रश्मिका अपना फूड इन्जॉय करती नजर आईं।

इस मौके पर दोनों ट्विनिंग करते दिखे। रश्मिका जहां स्लीवलेस क्रॉप ब्लू टॉप और ब्लू डेनिम में दिखीं। वहीं विजय को नीली जैकेट में स्पॉट किया गया।

विजय ने कहा था- मैं सिंगल नहीं हूं

बीते लंबे समय से खबरें हैं कि विजय और रश्मिका रिलेशनशिप में हैं। अभी हाल ही में विजय ने कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था- मैं जानता हूं कि प्यार करना क्या होता है। मैं पहले भी एक को-स्टार को डेट कर चुका हूं। मैं 35 साल का हूं, क्या आपको लगता है कि मैं सिंगल रहूंगा? हम सभी को कभी न कभी शादी करनी ही पड़ती है, जब तक कि ऐसा न करने का कोई विकल्प न हो।

रश्मिका और विजय ने 2018 में आई फिल्म 'गीता गोविंदम' में पहली बार साथ काम किया था। इसके बाद इनकी ऑन स्क्रीन जोड़ी को 2019 में आई 'डियर कॉमरेड' में भी काफी पसंद किया गया था। इन फिल्मों की शूटिंग के दौरान ही दोनों की डेटिंग की खबरें आने लगीं। हालांकि, इन्होंने इससे इनकार कर दिया।

विजय के साथ अपनी बॉन्डिंग पर रश्मिका ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'जब मैं रक्षित से ब्रेकअप के बाद परेशान थी तो विजय ने ही मुझे इससे उबरने में मदद की थी। उन्होंने उस दौरान मेरी केयर की और मेरे इमोशंस समझे।'साल 2024 की शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि विजय और रश्मिका सगाई करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985

Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017

www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099